99 -सुरः अज़-ज़िल्ज़ाल

मक्का *या* मदीना में नाजिल हुई और इसकी 8 आयतें है !

बिस्मिल्ला-हिर्र-रहमानिर-रहीम

शुरू करता हूँ अल्लाह के नाम से जो रहमान व रहीम है।

بسم الله الرحمن الرحيم

1. जब ज़मीन बड़े ज़ोरों के साथ ज़लज़ले में आ जाएगी
2. और ज़मीन अपने अन्दर के बोझे (मादनयात मुर्दे वग़ैरह) निकाल डालेगी
3. और एक इन्सान कहेगा कि उसको क्या हो गया है
4. उस रोज़ वह अपने सब हालात बयान कर देगी
5. क्योंकि तुम्हारे परवरदिगार ने उसको हुक्म दिया होगा
6. उस दिन लोग गिरोह गिरोह (अपनी कब्रों से) निकलेंगे ताकि अपने आमाल को देखे
7. तो जिस शख्स ने ज़र्रा बराबर नेकी की वह उसे देख लेगा
8. और जिस शख्स ने ज़र्रा बराबर बदी की है तो उसे देख लेगा

www.IslamInHindi.org